



Mr.

20 Oct 1998

10:50 PM

Deoria

Model: web-freekundliweb

Order No: 121566504

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 20/10/1998
दिन _____: मंगलवार
जन्म समय _____: 22:50:00 घंटे
इष्ट _____: 42:13:07 घटी
स्थान _____: Deoria
राज्य _____: Uttar Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 26:31:00 उत्तर
रेखांश _____: 83:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: 00:05:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 22:55:12 घंटे
वेलान्तर _____: 00:15:09 घंटे
साम्पातिक काल _____: 00:51:04 घंटे
सूर्योदय _____: 05:56:45 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:22:21 घंटे
दिनमान _____: 11:25:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शरद
सूर्य के अंश _____: 03:16:29 तुला
लग्न के अंश _____: 28:31:15 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: मिथुन - बुध
राशि-स्वामी _____: तुला - शुक्र
नक्षत्र-चरण _____: चित्रा - 4
नक्षत्र स्वामी _____: मंगल
योग _____: विष्कुम्भ
करण _____: किंस्तुघ्न
गण _____: राक्षस
योनि _____: व्याघ्र
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: शूद्र
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: मृग
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: वायु
जन्म नामाक्षर _____: री-रीतेश
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: तुला

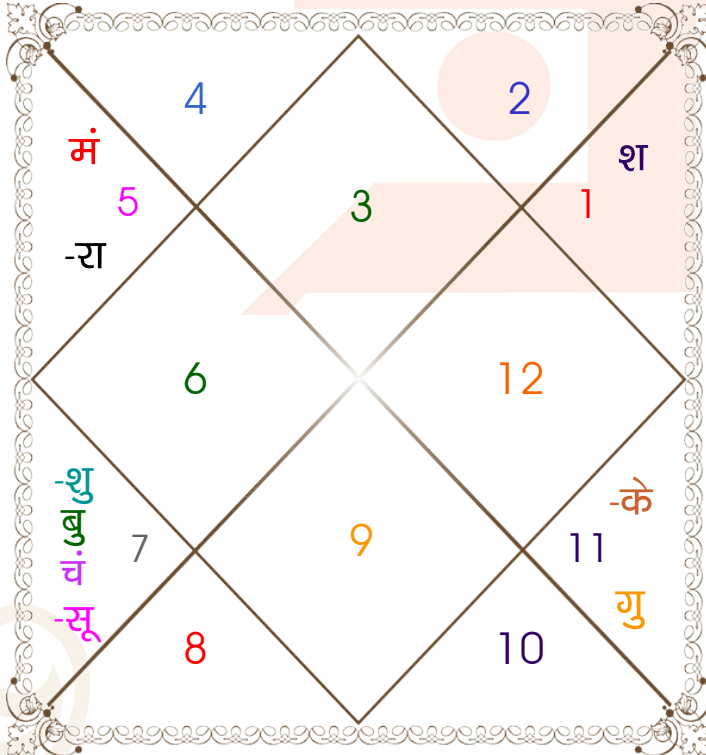
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	28:31:15	311:59:23	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			तुला	03:16:29	00:59:40	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	नीच राशि
चंद्र			तुला	06:31:18	11:51:02	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	सम राशि
मंगल			सिंह	14:10:39	00:36:06	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
बुध			तुला	19:19:44	01:28:56	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	मित्र राशि
गुरु	व		कुंभ	25:16:28	00:04:40	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
शुक्र		अ	तुला	00:51:02	01:15:09	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मूलत्रिकोण
शनि	व		मेष	06:34:00	00:04:47	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	नीच राशि
राहु	व		सिंह	06:04:42	00:11:00	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	06:04:42	00:11:00	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	14:58:26	00:00:06	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप			मक	05:34:12	00:00:18	उत्तराषाढा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	12:35:16	00:01:56	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
दशम भाव			मीन	20:01:47	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	शुक्र	--

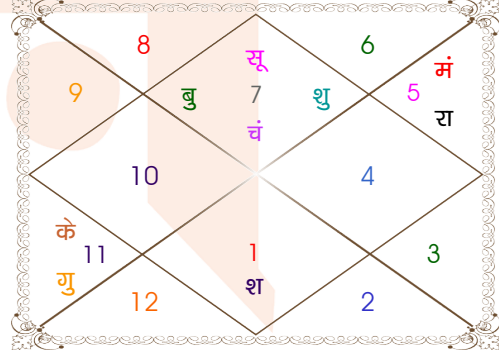
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:14

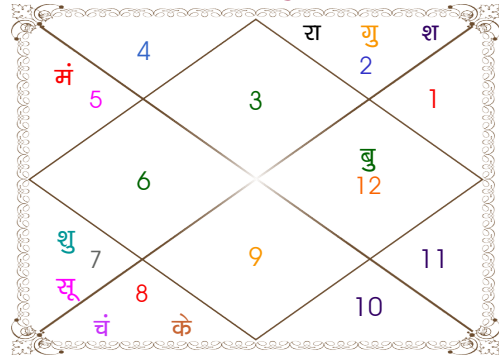
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 0 मास 27 दिन

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
20/10/1998	17/11/1998	17/11/2016	17/11/2032	17/11/2051
17/11/1998	17/11/2016	17/11/2032	17/11/2051	17/11/2068
00/00/0000	राहु 30/07/2001	गुरु 05/01/2019	शनि 21/11/2035	बुध 15/04/2054
00/00/0000	गुरु 24/12/2003	शनि 18/07/2021	बुध 31/07/2038	केतु 12/04/2055
00/00/0000	शनि 30/10/2006	बुध 24/10/2023	केतु 08/09/2039	शुक्र 10/02/2058
00/00/0000	बुध 18/05/2009	केतु 29/09/2024	शुक्र 08/11/2042	सूर्य 18/12/2058
00/00/0000	केतु 06/06/2010	शुक्र 31/05/2027	सूर्य 21/10/2043	चंद्र 18/05/2060
00/00/0000	शुक्र 06/06/2013	सूर्य 18/03/2028	चंद्र 21/05/2045	मंगल 15/05/2061
00/00/0000	सूर्य 30/04/2014	चंद्र 18/07/2029	मंगल 30/06/2046	राहु 03/12/2063
20/10/1998	चंद्र 30/10/2015	मंगल 24/06/2030	राहु 06/05/2049	गुरु 10/03/2066
चंद्र 17/11/1998	मंगल 17/11/2016	राहु 17/11/2032	गुरु 17/11/2051	शनि 17/11/2068

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
17/11/2068	17/11/2075	17/11/2095	18/11/2101	18/11/2111
17/11/2075	17/11/2095	18/11/2101	18/11/2111	21/10/2118
केतु 15/04/2069	शुक्र 19/03/2079	सूर्य 06/03/2096	चंद्र 18/09/2102	मंगल 16/04/2112
शुक्र 15/06/2070	सूर्य 18/03/2080	चंद्र 05/09/2096	मंगल 19/04/2103	राहु 04/05/2113
सूर्य 21/10/2070	चंद्र 17/11/2081	मंगल 11/01/2097	राहु 18/10/2104	गुरु 10/04/2114
चंद्र 22/05/2071	मंगल 17/01/2083	राहु 05/12/2097	गुरु 17/02/2106	शनि 20/05/2115
मंगल 18/10/2071	राहु 17/01/2086	गुरु 23/09/2098	शनि 19/09/2107	बुध 16/05/2116
राहु 05/11/2072	गुरु 17/09/2088	शनि 05/09/2099	बुध 17/02/2109	केतु 12/10/2116
गुरु 11/10/2073	शनि 17/11/2091	बुध 13/07/2100	केतु 18/09/2109	शुक्र 12/12/2117
शनि 20/11/2074	बुध 17/09/2094	केतु 18/11/2100	शुक्र 20/05/2111	सूर्य 19/04/2118
बुध 17/11/2075	केतु 17/11/2095	शुक्र 18/11/2101	सूर्य 18/11/2111	चंद्र 21/10/2118

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 0 मा 27 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोत्तम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगे। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकते हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली व्यक्ति होंगे।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाते हैं। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाले नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करते। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता है तथापि कोई संदेह नहीं कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करते हैं। आप कुशल बुद्धि के चालाक प्राणी हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगे। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत्त हो सकते हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगे वह अकारण ही बर्बाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करें।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगे।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकते हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि के प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकते हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबे, दुबले आकृति के, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित स्त्रियों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगे।

आप ऐसा नहीं चाहेंगे कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपनी पत्नी एवं संतान को प्यार करते हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासनात्मक संतुष्टि क्यों चाहते हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहते हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैंगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।